बच्चों में अस्थमा के कारण, उपचार एवं बचाव की जानकारी दी

बीकानेर, (कासं)। विश्व अस्थमा दिवस पर मंगलवार को जस्सूसर गेट के बाहर डॉ. श्याम अग्रवाल चिल्ड्रन अस्पताल व अनुसंधान केन्द्र में बच्चों के अस्थमा की नि:शुल्क जांच की गई तथा रोगी व उनके अभिभावकों से संवाद करते हुए परामर्श दिया गया।

विश्व अस्थमा दिवस की थीम ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर अस्थमा (जी.आई.एन.ए) की ओर से प्रदत्त थीम श्वसन उपचार को सभी के लिए सुलभ बनाना, बच्चों में अस्थमा के कारण, उपचार पर बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम अग्रवाल ने विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बच्चों व उनके अभिभावकों को बच्चों में अस्थमा व एलर्जी रोग के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया। बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, समय पर उपचार कराने, इनहेलर लेने की सलाह दी।

विश्व अस्थमा दिवस पर जस्सूसर गेट के बाहर डॉ. श्याम अग्रवाल चिल्ड्रन अस्पताल व अनुसंधान केन्द्र में डॉ. श्याम अठावाल ने बच्चों के अस्थमा की नि:शुल्क जांच कर परामर्श दिया।

- विश्व अस्थमा दिवस पर बच्चों में अस्थमा की निःशुल्क जांच की गई
- अस्थमा के इलाज से ठीक हुए बालकों ने अपने अनुभव बताये

उन्होंने कहा कि इनहेलर दवाओं से अधिक सार्थक व उपयोगी उपचार है। इनहेलर के साइड इफेक्ट कम होते तथा रोगी को स्वस्थ होने बाद लेने की आवश्यकता नहीं रहती। धूल, धुआं, प्रदूषण, प्रोसेस्ड फूड और स्ट्रेस व एलर्जी होने वाले खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए। डॉ. श्याम अग्रवाल ने बताया कि अस्थमा एक ऐसी बीमारी है जो रोगी के फेफड़ों को प्रभावित करती है। अस्थमा के तीन प्रकार में ब्रोंकोस्पाज्म में प्राणवायु श्वास के मार्ग के आस-पास की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है। श्वास के मार्ग को संकुचित बना देती है, मांसपेशियों में सूजन आने से श्वास फेफड़ों के बाहर व अंदर नहीं आने देता। रोगी के बलगम बनता है जो श्वास के मार्ग को अवरुद्ध करता है। रोगी के सांस में तकलीफ, घबराहट, चलने पर श्वास का फूलना सहित समस्याओं सामना करना पड़ता है।

उन्होंने बताया कि बच्चों में लगातार खांसी, निमोनिया, एलर्जी आदि के कारण अस्थमा पांच वर्ष की आयु से पहले शुरू होता है और शिशुओं और छोटे बच्चों में सकता है। प्रारंभिक अवस्था में इलाज करवाने से बच्चे बड़े होकर अस्थमा से बच सकते है। अस्थमा किसी को भी हो सकता है। एलर्जी वाले लोगों या तम्बाकू के धुएं के संपर्क में आने वाले लोगों में अस्थमा अधिक होने की संभावना रहती है। आनुवंशिक कारणों से भी बच्चों में अस्थमा या एलर्जी हो सकती है।

डॉ. श्याम अग्रवाल ने कहा कि अस्थमा की नियमित जांच योग्य चिकित्सक से करवायें तथा उपचार लें। उपचार में किसी तरह की कोताही जानलेवा भी साबित हो सकती है। उन्होंने बताया कि रोगियों व उनके अभिभावकों से कहा कि हर माह के दूसरे रविवार को बच्चों की अस्थमा की जांच होती है। रोग की आशंका होने पर नियमित जांच करवायें तथा उपचार लें। बच्चों को वायु प्रदूषण, धूल के करण, नमी वाली जगहों पर लगने वाली फफूंद, कीट तिलचट्टे, चूहे और अन्य घरेलू कीट और पालतू जानवर, तेज रसायन व गंध, पत्थर की घिसाई, मिट्टी की खुदाई, सफाई के उत्पाद, बीकानेर में चलने वाली आंधी भी अस्थमा का कारण बन सकती है। उन्होंने बच्चों के सीने में जकड़न, दर्द या दबाव, खांसी, सांस लेने में कठिनाई व घबराहट होने पर सजग रहकर चिकित्सक से इलाज करवाने, इलाज को थोड़ी राहत मिलने पर बिना चिकित्सक की सलाह पर बंद नहीं करने का परामर्श दिया। इस अवसर पर अस्थमा के इलाज से ठीक हुए बालकों ने अपने अनुभव बताएं।

नर्सिंग स्टॉफ कानसिंह भाटी ने 26 बच्चों के अस्थमा की जांच की।

निशुल्क शिविर : राजकीय जिला चिकित्सालय में जिला एमसीडी इकाई एवं जिला चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क शिविर का आयोजन बुधवार को किया जायेगा। अधीक्षक डॉ. सुनील हर्ष ने बताया कि जिला चिकित्सालय में हर माह के प्रथम बुधवार को एनसीडी शिविर का आयोजन किया जाता है। एनसीडी शिविर प्रभारी डॉ. संजय खत्री और विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा रोगियों की जांच की जायेगी और गैर संचारी रोगों की जानकारी एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जायेगा। शिविर में डॉ बी.के. तिवाड़ी, डॉ. अनीता सिंह, डॉ ललित आसेरी, डॉ. राजश्री चालिया, डॉ. इशीका वशिष्ठ, डॉ. इन्दु दायमा एवं अन्य चिकित्सक शिविर में अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में डायबिटिज, हाईपरटेंशन, सामान्य पुरूष एवं महिलाओं के कैंसर संबंधित स्क्रीनिंग की जायेगी।

बिना अनुमति ड्रोन नहीं उड़ा सकेंगे

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में ड्रोन के अनियंत्रित उपयोग पर रोक लगाने के लिए पुलिस ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पुलिस उप महानिरीक्षक और जिला पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

पुलिस ने बताया कि 22 अप्रैल को केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने मानव रहित विमान प्रणाली नियमावली 2021 अधिसूचित की थी। इसके तहत ड्रोन संचालन के लिए कुछ जरूरी नियम तय किए गए हैं। इनका पालन करना अब अनिवार्य होगा। ड्रोन उड़ाने के लिए सबसे पहले सरकार के नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा विकसित डिजिटल स्काई प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण कराना होगा। बिना पंजीकरण के ड्रोन उड़ाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

ड्रोन को वजन के आधार पर 5 श्रेणियों में बांटा गया है। नैनो श्रेणी में 250 ग्राम तक के ड्रोन, सूक्ष्म में 250 ग्राम से 2 किलो तक, लघु में 2 किलो से 25 किलो तक, मध्यम में 25 किलो से 150 किलो तक और भारी श्रेणी में 150 किलो से अधिक वजन वाले ड्रोन शामिल हैं। केवल स्वीकृत श्रेणी के ड्रोन ही उड़ाये जा सकेंगे। ड्रोन संचालन के लिए 3 तरह के क्षेत्र तय किए गए हैं। रेड जोन, येलो जोन और ग्रीन जोन। रेड और येलो जोन में ड्रोन उड़ाने से पहले अनुमति लेना जरूरी होगा।

श्रीगंगानगर जिले में कई क्षेत्र रेड जोन घोषित किए गए हैं। इनमें भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा से 25 किलोमीटर का क्षेत्र, एयरफोर्स स्टेशन, आर्मी क्षेत्र, वीआईपी क्षेत्र, ऊर्जा उत्पादन केन्द्र और प्रमुख सरकारी संस्थान शामिल हैं।

सार-समाचार

लैब टैक्नीशियन पदोन्नति की मांग

लेबोरेट्री टैक्नीशियन कर्मचारी संघ ने पदोन्नति की मांग को लेकर मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी को ज्ञापन सौंपा।

बीकानेर, (कासं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के राजस्थान मेडिकल कॉलेज लेबोरेट्री टैक्नीशियन कर्मचारी संघ (चिकित्सा शिक्षा) बीकानेर शाखा के एक प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को कॉलेज प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. गुंजन सोनी से मुलाकात की। प्रदेश अध्यक्ष बजरंग कुमार सोनी और जिला अध्यक्ष अजय किराडू के नेतृत्व में हुए इस मुलाकात में कर्मचारी संघ ने लेबोरेट्री टैक्नीशियनों की लंबित मांगों को लेकर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधि मंडल ने प्राचार्य को बताया कि वर्ष 2019-20 से लेबोरेट्री टैक्नीशियन संवर्ग में पदोन्नति की प्रक्रिया रूकी हुई है, जिसके कारण कर्मचारियों को करियर प्रगति में बाधा का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही, वर्ष 2013 से लंबित लियन (स्थायीकरण) अर्जित करने की मांग के साथ तीन बजे सैंपल कलेक्शन के दौरान स्टॉफ के कमी की मांग को भी जोरदार तरीके से उठाया गया। प्रतिनिधि मंडल ने इन मांगों के शीघ्र समाधान की अपील की ताकि कर्मचारियों को उनका हक मिल सके और कार्यकुशलता में वृद्धि हो। प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी ने प्रतिनिधि मंडल की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया साथ ही कहा कि जल्द ही लैब टैक्नीशियन स्टाफ की कमी को दूर किया जायेगा। इस मुलाकात में संघ के अन्य पदाधिकारी और सदस्य भी मौजूद थे। कर्मचारी संघ ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे भविष्य में आंदोलन की रणनीति बना सकते हैं। यह मुलाकात लेबोरेट्री टैक्नीशियनों के हितों को लेकर चल रही लम्बी लड़ाई का हिस्सा है और कर्मचारी संघ ने इसे एक सकारात्मक कदम बताया।

आचार्य महाश्रमण का जन्मदिन मनाया

आचार्य महाश्रमण के जन्म दिवस पर धर्मसभा को मुनि कमल कुमार ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। आचार्य महाश्रमण का 64 वां जन्म दिवस आज बोथरा भवन में उग्र विहारी तपोमूर्ति मुनि कमल कुमार के सानिध्य में मनाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मुनि कमल कुमार ने कहा कि आचार्य महाश्रमण पर आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ की असीम कृपा थी। मुनि श्री ने कहा कि श्रद्धा के जागरण से सभी कार्य संभव हो जाते हैं। देवगुरु और धर्म पर हमें श्रद्धा रखनी चाहिए। वीतराग देवों की आराधना करनी चाहिए। आचार्य महाश्रमण की समिति गुप्तियों की जागरूकता अप्रमत्त चर्या व मृदु अनुशासन से केवल तेरापंथी साधु साध्वियां ही नहीं जैन अजैन सभी प्रभावित है। तेरापंथ धर्म संघ में आप प्रथम आचार्य है जिन्होंने देश विदेश की पैदल यात्राएं की। एक साथ 43 योग्य भाई बहनों को दीक्षा दी। इस प्रकार आचार्य महाश्रमण की अनेक विशेषताओं का वर्णन किया। आचार्य के स्वस्थ जीवन और दीर्घकालीन नेतृत्व मिले ऐसी कामना की। मुनि श्रेयांश कुमार ने आचार्य महाश्रमण के जन्मोत्सव एवं पट्टोत्सव के अवसर पर मुक्तकों के माध्यम से अपनी भावांजलि अभिव्यक्त की। इस अवसर पर मुनि नमि कुमार ने कहा कि आचार्य महाश्रमण की मुझ पर बहुत बड़ी कृपा रही। उन्होंने मुझे संयम मार्ग प्रदान किया जिससे आज मैं त्याग तपस्या के माध्यम से मोक्ष मार्ग की ओर आगे बढ़ रहा हूं। आचार्य भिक्षु के शासन में एक से बढ़कर एक आचार्य हुए हैं। इस कार्यक्रम में तेरापंथ सभा के पूर्व अध्यक्ष अमरचंद सोनी, मंत्री जतनलाल संचेती, तेरापंथ न्यास से बिमल जी चोपड़ा, महिला मंडल अध्यक्ष संजू लालाणी, अणुव्रत समिति से मनोज छाजेड़, आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान से मनीष बाफना, तेरापंथ युवक परिषद से देवेंद्र डागा, भगवान महावीर युनिर्वसिटी, सूरत से मंजू नाहटा, मोहनलाल भंसाली, निर्मल बैद, राजेन्द्र बोथरा, चैनरूप छाजेड़ किरण देवी छाजेड़, कमल भंसाली, आसकरण पारख, गौरा देवी सेठिया आदि वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया एवं गीत कविताएं मुक्तक के माध्यम से आचार्य महाश्रमण के 64 वें जन्मोत्सव पर अपनी भावांजलि व्यक्त की।

नाबालिग को भगाने वाला गिरफ्तार

अनूपगढ़, (कासं)। पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि 28 मार्च 2025 को पीडिता के पिता ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने नाबालिग को खोजने के लिए हैड कांस्टेबल पदम सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की। पुलिस ने जांच के दौरान नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही 19 एलएम लुनिया निवासी रवि (20) को अपहरण और गहने रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी से सोने और चांदी के गहने भी बरामद किए गए हैं। नाबालिग को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया। समिति के माध्यम से उसे सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

बांग्लादेशियों की खोजबीन में जुटी बीकानेर पुलिस, डोर-टू-डोर सर्वे

बीकानेर, (कासं)। जिला पुलिस बांग्लादेशियों की तलाश में जुटी है। फैक्ट्री-कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों से पूछताछ कर रही है। अब तक बीकानेर में एक भी बांग्लादेशी नहीं मिला है।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद बीकानेर में बांग्लादेशियों की खोजबीन की जा रही है। फैक्ट्री-कारखानों में काम करने वाले श्रमिक, बाहर से आकर रहने वाले लोगों के आईडी चैक किए जा रहे हैं। सभी पुलिस थानों के एसएचओ अपने-अपने इलाकों में डोर-टू-डोर सर्वे कर रहे हैं। बीछवाल, खारा, करणी औद्योगिक क्षेत्र और रानी बाजार औद्योगिक क्षेत्र के फैक्ट्री-कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस इनके आईडी और अन्य कागजात तस्दीक कर रही है।

- बाहर से आये मजदूरों से की जा रही है पूछताछ व आईडी चैक

गंगाशहर थाना पुलिस ने कादरी कॉलोनी में बड़ी संख्या में राजस्थान से बाहर से आये मजदूरों को थाने पर लाकर पूछताछ की और आईडी चैक की। व्यास कॉलोनी थाना पुलिस ने भी तिलक नगर में चैकिंग की। इसके अलावा बीछवाल थाना पुलिस ने औद्योगिक क्षेत्र के व्यापारियों से मीटिंग कर उनके फैक्ट्री-कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों के आईडी मांगे हैं। किसी भी संदिग्ध श्रमिक की तत्काल सूचना देने के लिए कहा है। पुलिस की अब तक की छानबीन में एक भी बांग्लादेशी नहीं मिला है।

बीकानेर जिले की सीमा पाकिस्तान से लगती है। खाजूवाला, पूगल, बज्जू के बॉर्डर एरिया और कोलायत के इलाकों में बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों के लोग खेतों में काम कर रहे हैं। इनकी आईडी भी तस्दीक की जा रही है। बॉर्डर इलाकों में रहने वाले ग्रामीण भी ऐसे कामगारों के बारे में पुलिस थानों में सूचना दे रहे हैं। बॉर्डर पर पुलिस विशेष सतर्कता बरत रही है।

पुलिस की ओर से किए जा रहे डोर-टू-डोर सर्वे में सामने आया है कि बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों से आये लोगों के पास अब बीकानेर को वोटर आईडी है। उनके आधार कार्ड में बीकानेर का ही पता लिखा है। उनके मूल निवासी बनाए जाने का भी अनुमान लगाया जा रहा है। बीकानेर में सैकड़ों की तादाद में दूसरे राज्यों के मजदूर हैं जो फैक्ट्री-कारखानों में काम करने के अलावा घर-दुकानों में भी काम करते हैं। नारियल पानी बेचते हैं।

कपास बुवाई की एडवाइजरी जारी

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि अनुसंधान केन्द्र द्वारा किसानों को देसी कपास, बीटी कपास तथा अमेरिकी कपास की बुवाई के लिए उचित समय बताते हुए बुवाई करने की एडवाइजरी जारी की गई है।

इस संबंध में जारी सलाह के अनुसार देशी कपास की प्रचलित किस्म आरजी 8, आर जी 18, राज डी एच 9, एचडी 123 तथा आर जी 542 किस्में हैं। देसी कपास की बुवाई के लिए 3 किलोग्राम प्रति बीघा उपयुक्त है। बीटी कपास की बुवाई के लिए भी यह उचित समय है। 15 मई तक बुवाई करने से फसल में गुलाबी सुंडी का प्रकोप कम हो सकता है। बीटी कपास के खेत की परिधि पर इस किस्म की नॉन बीटी सौकर रिफ्यूजिया की बुवाई आवश्यक रूप से करें। बीटी कपास के बीज दर 450 ग्राम प्रति बीघा रखें। अमेरिकी कपास की बुवाई मई के पहले सप्ताह से शुरू हो गई है।

नशे की लत ने एक और युवक की जान ली

हनुमानगढ़, (कासं)। यहां मुख्यालय पर मंगलवार को नशे की लत ने एक और युवा की जान ले ली। टाउन धान मंडी के पास स्थित एक डेरे के कमरे में युवक शिवा का शव संदिग्ध अवस्था में मिला। शव के पास हेरोइन चिट्टा लगाने का इंजेक्शन बरामद हुआ है।

- टाउन धान मंडी के पास स्थित एक डेरे के कमरे में युवक शिवा का शव संदिग्ध अवस्था में मिला
- शव के पास हेरोइन चिट्टा लगाने का इंजेक्शन बरामद हुआ

मृतक के परिजनों के अनुसार शिवा सुबह से लापता था। बाद में वह डेरे के पास मृत अवस्था में पाया गया। जैसे ही परिजनों को मौत की सूचना मिली परिवार में कोहराम मच गया और रो-रोकर परिजनों का बुरा हाल हो गया। कुछ दिन पहले ही मृतक के पिता की करंट लगने से मौत हुई थी। जिससे परिवार पहले से ही गहरे सदमे में था।

परिजनों ने नशे के बढ़ते कहर पर आक्रोश जताते हुए आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन नशा तस्करों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है। जिससे आए दिन युवाओं की मौत हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कठोर कदम उठाये जाते तो कई जिंदगी बचाई जा सकती थी। मृतक के परिजनों ने अन्य दो युवकों पर भी जानबूझकर मारने का आशंका भी जताई है। टाउन पुलिस ने मृतक युवक का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

खजूर बागीचा लगाने से आमदनी हुई दोगुनी

बीकानेर, (कासं)। जिले के ग्राम पेमासर के युवा कृषक शिवकरण कूकणा ने खजूर बागीचा स्थापना कर आमदनी बढ़ाई।

शिवकरण पहले परंपरागत कृषि ग्वार, बाजरा, मोठ, मूंगफली, सरसों व चना की खेती करते थे। कृषि उद्यान विभाग ने पेमासर क्षेत्र में घटते जलस्तर व उपलब्ध पानी की गुणवत्ता विश्लेषण के बाद युवा कृषक को खजूर का बगीचा लगवाया। शिवकरण में उद्यानिकी नवाचार अपनाने की दृढ़ इच्छा शक्ति थी। कृषि उद्यान विभाग के प्रोत्साहन से टिश्यू कल्चर खजूर किस्म बरही, खुनैजी, मेडजूल का बगीचा 10 बीघा क्षेत्र में 400 पौधे के साथ स्थापित किया। साथ ही बूंद- बूंद सिंचाई ड्रिप के द्वारा बगीचे में सिंचाई व उर्वरक

- पेमासर का शिवकरण प्रति पौधा 60 से 70 किलो खजूर की उपज प्राप्त कर रहा है

प्रबंधन विभागीय अधिकारियों एवं कृषि वैज्ञानिकों की देखरेख में सार संभाल की। परिणामस्वरूप शिवकरण आज प्रति पौधा 60 से 70 किलो खजूर की उपज प्राप्त कर रहा है। उन्हें 50-80 रूपए प्रति किलो बाजार भाव फ्रैश फ्रूट का मिल रहा हैं। बीकानेर के अलावा दिल्ली, पंजाब, गुजरात में भी यह खजूर फल व प्रसंस्करण उत्पाद का विपणन कर रहे है।

पीबीएम में थम नहीं रही बाइक चोरी की घटनाएं

बीकानेर, (कासं)। पीबीएम हॉस्पिटल में बाइक चोरी की घटनाएं थम नहीं रही है। आये दिन मरीज के परिजन और नर्सिंग स्टाफ की बाइक चोरी हो जाती है।

हाल ही में नर्सिंग कर्मचारी बजरंग की बाइक स्टाफ पार्किंग से कोई अज्ञात व्यक्ति उठाकर ले गया। नर्सेज नेता ज्योति पूनिया ने पीबीएम अधीक्षक को ज्ञापन देकर स्टाफ पार्किंग में सीसीटीवी कैमरे लगाने और सुरक्षा गार्ड नियुक्त करने की मांग की है। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के एकीकृत के जिलाध्यक्ष श्योपत गोदारा ने अधीक्षक को ज्ञापन देकर नव चयनित नर्सेज का वेतन दिलवाने की मांग की है।गोदारा ने बताया कि चयन के पांच महीने बाद भी उन्हें वेतन नहीं मिला है।

बायोलॉजिकल पार्क अंतिम चरण में, अन्य राज्यों से जानवर आयेंगे

बीकानेर,(कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की एवं बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला कलेक्टर ने बजट घोषणाओं को जल्द पूरा करने को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। संपर्क पोर्टल पर परिवेदनाओं को 30 की बजाय 15 दिन में ही निस्तारण के निर्देश भी दिए। बैठक में डीएफओ ने बताया कि जिला मुख्यालय पर मरूधरा बायोलॉजिकल पार्क इसी साल जुलाई में वन महोत्सव के दौरान शुरू कर दिया जायेगा। इसको लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है। दूसरे राज्यों से जानवर लाये जाने के प्रयास

- बायोलॉजिकल पार्क जुलाई में वन महोत्सव के दौरान शुरू कर दिया जायेगा

चल रहे हैं।

जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकारी अस्पताल में बच्चे के जन्म के बाद परिजनों से जन्म प्रमाण पत्र फॉर्म भरवा कर अपलोड नहीं किए तो पेनल्टी अस्पताल पर लगाई जायेगी। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक सैम्पल का टेस्ट हो और मिलावट मिलने पर आवश्यक कार्रवाई करें। सीईओ जिला परिषद सोहन लाल ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारी ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत पोल लगाने को लेकर इस तरह की एसओपी जारी करें कि ग्रामीण क्षेत्र में सड़क किनारे विद्युत पोल वहीं लगाया जायेगा जहां सड़क की बाउंड्री खत्म होती है। चाहे काश्तकार का कब्जा कहीं तक हो। राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज रास्ते का पटवारी से सीमा ज्ञान करवाने के बाद ही विद्युत पोल लगाया जाए। इससे विद्युत पोल लगाने को लेकर आए दिन होने वाले झगड़ों से निजात मिलेगी। बिजली विभाग की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि फसल अभी कटी हुई है। विभिन्न जीएसएस लगाने समेत सभी कार्य दोगुनी गति से करें।

कलेक्टर-एस.पी. ने सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल की व्यवस्थाएं जांची

बीकानेर,(कासं)। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात के बीच केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने संभावित हमले की स्थिति में देश के कई राज्यों में सात मई को मॉकड्रिल करने का फैसला लिया है।

इनमें राजस्थान के 27 शहरों के नाम है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर हो रही इस सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल की बीकानेर में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। कलेक्टर नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर ने खुद मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सिविल डिफेंस कार्यालय में तैयारियों की समीक्षा की। शहर के 10 प्रमुख स्थानों पर सायरन लगे हुए हैं। इस सभी सायरनों का परीक्षण किया गया ताकि आम लोगों को हमले की स्थिति में सतर्क किया जा सके। 54 साल बाद एक ऐतिहासिक पल लौटने जा रहा है। कल पूरे भारत

बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि व पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर ने मॉकड्रिल को लेकर सिविल डिफेंस के कार्यालय का निरीक्षण किया।

में एक साथ मॉक ड्रिल आयोजित की जायगी, जिसमें हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजेंगे। इसके अलावा अचानक बिजली बंद कर दी जायेगी ताकि रात के समय हवाई हमले की स्थिति में शहर को दुश्मन की नजर से छिपाया जा सके। यह तकनीक आखरी बार 1971 की बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के समय इस्तेमाल हुई थी।

- भारत-पाक संबंधों में बढ़ते तनाव के बीच यह अभ्यास हो रहा है

हाई रिस्क इलाकों से लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में ले जाने का अभ्यास किया जायेगा। जिससे वास्तविक स्थिति में आने वाली रूकावटों को पहचाना जा सके। नागरिकों को युद्ध जैसी आपात स्थिति से निपटने का प्रशिक्षण दिया जायेगा। भारत-पाक संबंधों में बढ़ते तनाव के बीच यह अभ्यास हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सायरन के बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने और आपदा की स्थिति में जरूरी कदम उठाने की प्रक्रिया सिखाई जाएगी।कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कहा, जो भी निर्देश मिलेंगे,उनकी शत-प्रतिशत पालना की जाएगी।

पीबीएम हॉस्पिटल में पीडब्लयूडी चौकी अपडेट होगी

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान में मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में रोगियों की सुरक्षा और भवनों के रखरखाव के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग ने संयुक्त रूप से नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है।

इस एसओपी के तहत राजकीय मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में रोगी सुरक्षा और सेवाओं को और सुदृढ़ किया जायेगा। आपातकाल, कैजुअल्टी, सर्जिकल प्रक्रियाओं और गंभीर रोगियों की देखभाल जैसे विशेषज्ञता और सुपर स्पेशियलिटी क्षेत्रों में 24 घंटे सातों दिन प्रदान की जाने वाली महत्वपूर्ण चिकित्सा सेवाएं इससे और बेहतर एवं सुगम हो सकेंगी। इसे देखते हुए पीबीएम हॉस्पिटल स्थित पीडब्लयूडी की चौकी को अपडेट करने की तैयारी की जा रही है।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीश कुमार ने बताया कि नई एसओपी के तहत प्रत्येक मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पताल में पीडब्लयूडी की एक चौकी स्थापित की जायेगी। इसके लिए स्थान अस्पताल द्वारा उपलब्ध करवाया जायेगा। इन चौकियों पर 24 घंटे प्लम्बर और इलेक्ट्रीशियन उपलब्ध होंगे तथा दिन के समय मे कारपेंटर और वेल्डर भी उपलब्ध होंगे।

साझा परिसर वाले अस्पतालों में एक सामान्य चौकी होगी। सभी अस्पतालों में रखरखाव और रोगी शिकायतों के लिए एक हेल्पलाइन होगी जो 24 घंटे संचालित होगी।

नई एसओपी के अनुसार अस्पताल भवन की निर्माण लागत की 2 प्रतिशत राशि वार्षिक रख-रखाव निधि के रूप में पीडब्लयूडी को दी जायेगी, जिसका भुगतान राजस्थान मेडिकल रिलीफ सोसायटी के माध्यम से होगा। भवन मूल्य की गणना 2025-26 के लिए 28 हजार रूपए प्रति वर्ग मीटर की दर से होगी।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 24.4.2025
श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री बलराम जान्दू निवासी बींझबायला तहसील पदमपुर जिला श्रीगंगानगर द्वारा नीचे वर्णित भूमि में से अपने अधिकार भू. सं. 36 ए एवं 36 बी को पंजीकृत बैयनामा दिनांक 29.11.2011 के द्वारा क्रय कर व्यावसायिक प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग के लिए पूर्ण स्वामित्व पटटा अधिकार प्राप्त करने के लिए न्यास के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	पट्टे का विवरण	भूमि का विवरण	आवेदित भूमि का क्षेत्रफल
श्रीगंगानगर	पटटा सं. 134 दिनांक 13.12.1984 को श्रीमती गैन्दी देवी पत्नी श्री बाबूलाल एवं पट्टा सं. 135 दिनांक 13.12.1984 को श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री जगदीश राय के से भू-रूपांतरण विभाग, श्रीगंगानगर द्वारा जारी किया हुआ है।	चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 48 के किला नं. 20 में भू. सं. 36-ए व 36-बी प्रत्येक माप 83.33 वर्गगज	30 इंटू 50 फीट

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर सुधार अधिनियम 1959 की धारा 660 सी के अधीन पूर्ण स्वामित्व पटटा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए न्यास के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने के अनुज्ञा की मंजूरी के सम्बन्ध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिवस के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तद्नुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज जारी की गयी। Rajkaj Ref. No. 14772189 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर